

मेरी कमसिन चूत और लेस्बीयन लड़िकयाँ हॉस्टल में-1

"मैं गर्ल्स हॉस्टल में रहने गई तो वहाँ की लड़िकयों ने मुझे लेस्बीयन सेक्स से अवगत करवाया. इससे पहले मुझे नहीं पता था कि लड़िकयां आपस में भी

सेक्स कर सकती हैं. ...

Story By: hemlata (hemlata) Posted: शुक्रवार, जून 30th, 2017 Categories: लेस्बीयन लड़कियाँ

Online version: मेरी कमसिन चूत और लेस्बीयन लड़कियाँ हॉस्टल में-1

मेरी कमसिन चूत और लेस्बीयन लड़िकयाँ हॉस्टल में-1

मैं गर्ल्स हॉस्टल में रहने गई तो वहाँ की लड़िकयों ने मुझे लेस्बीयन सेक्स से अवगत करवाया. इससे पहले मुझे नहीं पता था कि लड़िकयां आपस में भी सेक्स कर सकती हैं. उस दिन मैंने पहली बार इस हॉस्टल में कदम रखा था। मुझे अजीब सा लग रहा था, सब मुझे यूँ देख रहे थे जैसे खा जाएँगे। मुझे ऊपर वाले रूम में रुकने मिला था, मीता मेरी रूममेट थी। वो देखने में बहुत सुंदर थी.. उसने हंस कर मेरा स्वागत किया।

मैंने अपना सारा सामान ठीक-ठाक इधर-उधर करके रख लिया। दोपहर को खाने के लिए मैं नीचे गई, तो हॉस्टल के मेस में सारी लड़िकयाँ फिर से मुझे ऐसे देख रही थीं मानो मैं कोई राजकुमारी हूँ और सब मुझे एप्रीशियेट कर रही थीं। खाने की टेबल पर ही बहुत सारी लड़िकयों से बातें हुईं, सबने मेरे बारे में बहुत सारे सवाल किए। मुझे एक पल के लिए लगा मानो मैं यहाँ बरसों से हूँ और ये सारी लड़िकयाँ मेरे सहेलियाँ हैं। मेरे मन से हॉस्टल का भूत दूर होता जा रहा था।

शाम को मेरे कमरे में उषा दीदी आईं, जो उम्र में मुझसे बहुत बड़ी थीं.. दिखने में कुछ ख़ास ना सही, पर बातें इतनी मीठी करती थीं कि मानो अभी सबको खरीद लेंगी।

हॉस्टल में एक दिन कैसे गुजरा, पता ही नहीं चला। रात को सोने के लिए जा रही थी कि मेरी रूममेट मीता बोली- तुम घर पर ना रह के यहाँ हॉस्टल में रहने क्यों आईं? मैंने बताया कि जाहिर है मैं नौकरी करती थी, इसीलिए यहाँ पर शिफ्ट करना पड़ा था। फिर बोली- दो हज़ार की नौकरी के लिए इतना दूर क्यों आईं? अपने शहर में नौकरी नहीं मिलती थी क्या? पहले मैं चुप रही, फिर बोली- मिलता तो था पर वहाँ घर वाले मेरा जीना परेशान कर देते। हमेशा मेरे पीछे पड़े रहते कि अब शादी कर लो.. अभी शादी कर लो। 'तो तुम क्या शादी नहीं करोगी?' मीता ने पूछा। 'पता नहीं, मैं अभी कुछ कह नहीं सकती।' मैं बोली।

फिर हम दोनों सो गए। दूसरे दिन सुबह जब मैं उठी तो सुबह के साढ़े पाँच ही बजे थे.. इस वक्त हॉस्टल में सब घोड़े बेच के सो रहे थे। मैं नहा के तैयार हो गई और जल्दी-जल्दी हॉस्टल से मेरी नई नौकरी के जगह के लिए निकल आई। मेरी नौकरी की जगह एक स्कूल था, नर्सरी स्कूल।

मैं वहाँ पहुँच कर हेड मिस्ट्रस से मिली, तो बहुत खुश हुईं, उन्होंने मेरा स्वागत किया। फिर मेरे इन्टरव्यू वाले काग़ज़ात निकाल के पढ़ते हुए बोलीं- तुम्हें कंप्यूटर आता है ?

मैंने अपना सिर हिला के 'हाँ' बोला.. तो उन्होंने मुझे कंप्यूटर रूम की एक्सट्रा डचूटी पकड़ा दी और साथ ही साथ एक हज़ार और रुपए की सेलरी भी बढ़ा दी। यह मेरे लिए खुशी की बात थी कि नौकरी के पहले दिन और मेरी प्रमोशन हो गई। वो जो भी हो, उस दिन से मुझे फ्रीडम थी कि मैं जब चाहूँ कंप्यूटर रूम में जाकर इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकती थी।

दोपहर तक तो स्कूल बंद हो जाता था और मैं तभी इस रूम में आती थी। कुछ दिनों तक मुझे हॉस्टल में सब ठीक-ठाक लगा, लेकिन वहाँ लड़िकयों के बर्ताव मुझे कुछ ठीक नहीं लगे।

सब ऐसे बिहेव कर रही थीं मानो प्रेमी हों, बात-बात पर एक-दूसरे को चूमा दे देना, हाथ इधर-उधर घुमाना।

मैंने एक रात यही बात मीता से पूछ ली, तो वो हंस पड़ी और बोली- इसमें क्या ग़लत है ?

सब आपस में मिलजुल के रहते हैं.. एक-दूसरे से प्यार भी करते हैं.. तो गलत कहाँ है ? 'लेकिन, वो सब लड़िकयाँ हैं ? लड़िकयां कैसे एक-दूसरे से प्यार कर सकती हैं ?' मैंने सवाल किया, तो वो बोली- देख अगर एक लड़िकी लड़िक से प्यार करे तो सब जानते है यह प्यार है, मगर क्यों होता है यह प्यार ? क्योंिक सबको जरूरत होती है अपने तन-मन की प्यास बुझाना.. बस तो यहाँ हॉस्टल में एक-दूसरे के तन मन की प्यास बुझ जाती है.. और लड़िकयाँ खुश रहती हैं। अब अगर किसी लड़िक से यह सब प्यार करेंगी तो उनसे मिलने के लिए जाएँगी कब ? नौकरी से छुट्टी मिलती नहीं और जगह कहीं है नहीं और फिर प्रेग्नेन्सी का ख़तरा अलग, तो बस हॉस्टल में एक-दूसरे के तन-मन की प्यास बुझाना सबसे अच्छा तरीका है।'

मैं उसको देखती रह गई.. बात तो सही थी। अगर किसी लड़के से प्यार करो तो क्या पता कब मिलना हो, कहाँ मिलना हो। फिर कुछ ग़लत कर दिया तो पेट से हो सकती हैं। मैं हंस दी।

वो बोली- उषा दीदी तुझसे इस बारे में कुछ बातें करना चाहती थीं, मैंने ही मना कर दिया। मुझे पता था तुम अभी नादान हो इस बारे में ज्ञान नहीं रखती होगी। मैं बोली- लेकिन इसमें वो सब कोई ग़लती तो नहीं करते है ना ? क्योंकि मैंने फिल्म देखी थी 'फायर'.. उसमें ऐसे ही दिखाया था जिसके बाद उन दो औरतों को घर से बाहर कर दिया था।

वो हंस पड़ी और बोली- तुम भोली हो, अरे अगर तुम सबसे कहोगी कि तुम यह सब करती हो तो लोग तुम पर हंसेंगे, समाज से अलग कर देंगे, इसीलिए एक काम करो किसी को इस बारे में बोलना ही नहीं, घर में भी नहीं.. फिर क्या घबराना। इसमें कोई डर नहीं और जो भी होता है दो लड़कियों के बीच होता है, तो प्रेग्नेन्सी नहीं होगी, ना ही तुम्हारी वर्जिनिटी को कोई नुकसान होगा।

मैं तो चिकत हो के रह गई थी।

रात के साढ़े आठ बज़ने को आए थे, हम नीचे मेस में डिनर के लिए गए। आज मुझे सबकी हरकतें अच्छी लग रही थीं। मीता ने जाकर उषा दीदी को कुछ कहा, वो मेरी ओर देख कर मुस्कुराईं और मैं भी मुस्कुरा दी।

डिनर के बाद हम कमरे में आए तो मीता बोली- चलो आज छत के ऊपर चल कर टहलते हैं।

हम वहाँ गए, थोड़ी देर बाद उषा दीदी भी वहाँ आ गईं। हम तीनों ऐसे ही बातें कर रहे थे।

उषा दीदी ने पूछा- तुमने कभी सेक्स किया है?

सेक्स की बात सुन के मेरी चूत में सनसनाहट होने लगी। मैंने 'ना' बोला, तो वो बोलीं-होमोसेक्स मतलब लेस्बियन कभी किया है ? मतलब लड़की से लड़की वाला सेक्स ? मैं पागल हुए जा रही थी.. जिंदगी में कभी किसी ने मुझसे ऐसे बातें नहीं की थीं। मैं 'ना' बोल दी।

'किसी लड़के से प्यार करती है ?' वो मुझसे पूछने लगीं।

मैंने सिर हिला कर ना बोला तो वो हंस दीं और मेरे पास आकर बोलीं- कभी तुम्हें किसी ने कहा कि तुम कितना सुंदर हो ?

मेरे बदन से पसीना छूट रहा था, तभी वो बोलीं- क्या हुआ तबियत ठीक नहीं है क्या ? या फिर डर रही हो ? अरे हमसे क्या डरना.. हम सब तो तुम्हारे सीनियर है यहाँ.. तुम्हें सारी चीज़ों की जानकारी देना हमारा काम है।

मैं सिर्फ़ सिर हिला रही थी।

कुछ देर तक खामोश रहने के बाद उषा दीदी मेरे पीछे चली गईं और उन्होंने एक झटके में मेरे स्तनों को अपने हाथों में भर कर बोलीं- बहुत मस्त है तुम्हारे ये स्तन.. मन करता है इनको चूम लूँ। मीता दीदी हंसती हुई बोली- उषा दीदी आप चाहें तो चूम लें, कोई नहीं देख रहा है।

मैं क्या करूँ.. कुछ समझ ही नहीं पा रही थी। पसीना छूटने मेरी नाइटी गीली हो गई थी। मैंने मीता को देखा तो वो बोली- उषा दीदी छोड़ दीजिए.. अभी पहली बार है ना.. इसीलिए डर रही है बेचारी। उषा दीदी ने मुझे छोड़ दिया। हम सब नीचे अपने कमरे में आ गए।

कमरे में आते ही मीता ने दरवाजे की कुण्डी बंद कर दी। अब उषा दीदी बोलीं- चल हमें दिखा क्या छुपा रही है तू?

मैं क्या करूँ.. कुछ समझ नहीं पा रही थी कि तभी मीता आकर मेरी नाइटी को ऊपर कर लिया।

यह हिंदी लेस्बीयन सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

मैं लज्जा के मारे मुरझा गई, तभी उषा दीदी बोलीं- मैं सचमुच तेरे स्तनों को चूमना चाहती हूँ।

उन्होंने मेरी किसी बात का इन्तजार किए बिना मेरे स्तनों को मुँह में भर लिया और चूसते हुए चूमने लगीं।

मेरे बदन में आग लग रही थी। मैं क्या कहूँ.. क्या करूँ कुछ नहीं जान पा रही थी.. सो मैंने जो हो रहा था उसे होने दिया।

उषा दीदी मेरे स्तनों को मुँह में भर के चूस रही थीं और मेरी जान निकली जा रही थी। इतने में नीचे से किसी ने उषा दीदी को आवाज़ दी तो उन्होंने मेरे चूचे चूसना बंद किए और बाहर जा कर जोर से आवाज लगा कर बोलीं- थोड़ी देर में आती हूँ। पर नीचे से आवाज़ आई- नहीं आप अभी आ जाओ।

तो वो चली गईं।

सच कहूँ मैं मन ही मन तरस गई थी। जिंदगी में पहली बार कोई मुझसे सेक्स की बातें करके गई थी और मेरे बदन को नंगा कर के सेक्स करने की शुरूआत की थी।

मीता मेरी चेहरे को देख रही थी, वो बोली- उषा दीदी की रूममेट ने उन्हें बुला लिया.. वो जलती है तुमसे... क्यों कि जिस दिन से तुम यहाँ आई हो, उषा दीदी सिर्फ़ तुमसे सेक्स करने की सोच रही थीं, इसीलिए मिनी गुस्सा है तुमसे!

पर मेरा मन कहीं और था, मुझे बहुत मजा आने लगा था। मीता बोली- उषा दीदी बहुत अच्छी हैं, सबके मन की बात जान लेती हैं, सबको अपने जैसा ही प्यार करती हैं।

मैं मन ही मन सोचने लगी, तो क्या इस का मतलब वो हॉस्टल की सारी लड़कियों से सेक्स भी करती हैं।

मीता बोली- मुझे पता है कि तुम क्या सोच रही हो ?

फ्रेंड्स आपको मेरी लेस्बीयन सेक्स स्टोरी में मजा आ रहा होगा तो जल्दी से मुझे मेल करो न.. मैं शिफाली तुम्हारी मेल का इन्तजार कर रही हूँ।

hemajay21@yahoo.com लेस्बीयन कहानी जारी है।



Other sites in IPE

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Kama Kathalu



www.kamakathalu.com

Indian Pink Girls



www.indianpinkgirls.com

Kinara Lane



<u>http://www.kinaralane.com/</u> A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Bangla Choti Kahini



বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Tanglish Sex Stories



www.tanglishsexstories.com